



संक्षेप

ट्रक पेड़ से टकराया चालक की मौत

बलौदाबाजार, 14 सितंबर। जिले में लोहे से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर बल्लू के पेड़ से टकराते हुए खेत में जा चुका। हादसे में ड्राइवर की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वह बुरी तरह से सीट में फंस गया, जिसे बड़ी ही मशकत से निकाला गया है। मामला गिधौरी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ड्राइवर बसंत यदु अपने ट्रक में लोहा लोड कर खरसिया से रायपुर जा रहा था। कुम्हारी के पास ट्रक का पहिया पंचर हो गया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा चुकी। वहां पेड़ से जोरदार टकराते हुए बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ड्राइवर बसंत यदु की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि ड्राइवर का शव सीट में बुरी तरह से फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वेलिडिंग कटर बुलवाया। इसके बाद ट्रक के हिस्सों को काटकर चालक के शव को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस ने बताया कि बसंत यदु ट्रक के मालिक जवाहर यदु का ही बेटा था। वो ग्राम छिरी का रहने वाला था, जो बीती रात ही रायगढ़ जिले के खरसिया से अपने ट्रक में आयरन लोड कर रायपुर के लिए रवाना हुआ था। 1 करोड़ 80 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण जब्त



सीएम हाउस में 'तीजा पोरा तिहार' की रही धूम

प्रदेश की सारी योजनाएं महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई : भूपेश बघेल

रायपुर, 14 सितंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक 'तीजा पोरा तिहार' का आयोजन किया गया। इस उत्साह में शामिल होने बड़ी संख्या में शामिल होने महिलाएं पहुंचीं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में शामिल होने आई सभी महिलाओं का अभिवादन कर पोला पर्व की बधाई दी। इस दौरान सीएम बघेल ने महिलाओं

को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर साल की तरह पोरा तिहार के अवसर पर हम अपनी बहनों को अपने निवास में आमंत्रित करते हैं। आप सभी बड़े उत्साह के साथ आए, आप सभी को तीजा पोरा तिहार की बहुत शुभकामनाएं। सीएम भूपेश बघेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश में जो भी अतिथि आते हैं, महिलाओं को लेकर उनकी धारणाएं बदली है, छत्तीसगढ़ की महिलाएं जागरूक हैं

और वह सक्रियता के साथ सभी गतिविधियों में भाग लेती हैं। इसलिए जब आप प्रदेश की सारी योजनाएं देखेंगे तो पाएंगे कि इन्हें महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान न्याय योजना, श्रमिक हितैषी योजना, गोधन न्याय योजना जैसी योजनाएं से लगभग 1 लाख 75 हजार करोड़ सीधे प्रदेशवासियों के खाते में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि तीजा के अवसर पर ऐसा मानते हैं कि जब महिलाएं

मायके जाती है तब बारिश होती है। आप देख रहे हैं कि पिछले दो-तीन दिन से अच्छी बारिश हो रही है। पिछले 5 सालों में हमारे प्रदेशवासियों और आप बहनों के अकाल-दुकाल नहीं पड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमने हाल ही में निर्देश जारी किए हैं कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। हमने प्रदेश में महिलाओं का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली

बार शासकीय अंग्रेजी स्कूल खोला है, जहां गरीब परिवार के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने का मौका मिला है। हमारा लगातार प्रयास है कि हम सब लोगों को आर्थिक रूप से संपन्न बनाएं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं घर ही नहीं संभाल रही हैं बल्कि मोर्चा भी संभाल रही हैं। महिलाएं सच ऑपरेशन में जाती हैं। ऐसा रूप बना है जो इस काम को बखूबी अंजाम दे रही है।

रेलवे के पीपी यार्ड में सीबीआई की दबिश

12 घंटे तक दस्तावेज खंगालने के बाद दफ्तर को किया सील

भिलाईनगर 14 सितंबर। भिलाई 3 पुरेना में रेलवे के पीपी यार्ड में बुधवार को सीबीआई की 05 सदस्यीय टीम ने दबिश दी। टीम ने 12 घंटे तक सभी रिकार्ड खंगालने और कर्मचारियों से पूछताछ करने के बाद दफ्तर को सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को सीबीआई के और भी अधिकारी यहां पहुंचेंगे और दफ्तर को खोलकर दस्तावेजों की बारीकी से जांच करेंगे। सीबीआई की दबिश के बाद रेलवे के पीपी यार्ड वह अन्य कार्यालय में सत्राटा छाया हुआ था शिकायत पर से सीबीआई ने इस कार्यवाही को अंजाम दिया है सीबीआई ने काफी महत्वपूर्ण दस्तावेज जप्त किया है

कार्यालय में काफी दस्तावेज खंगाले भी हैं। सीबीआई के सूत्रों रेलवे के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार पीपी यार्ड में व्याप्त भ्रष्टाचारी एवं भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत पद से कार्यवाही को अंजाम दिया गया है सुबह 10.00 बजे के करीब सीबीआई के अधिकारी दो वाहनों में अचानक आ धमके कार्यालय में मौजूद अधिकारियों को करने से बाहर जाने पर रोक लगा दी दरवाजे पर सुरक्षा व्यवस्था के तहत सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए गए किसी भी अधिकारी को छापे की कार्यवाही के दौरान मोबाइल फोन व टेलीफोन पर बात करने की मनाही थी नया कोई भी व्यक्ति कार्यालय के अंदर प्रवेश नहीं कर पा रहा था रेलवे यार्ड में सीबीआई के दबिश की खबर लगते ही रेलवे के अंदर कार्यालय में सत्राटा पसर गया

अधिकारी वर्ग एक दूसरे से सीबीआई के कार्रवाई के संबंध में पूछते देखे गए इस संबंध में सीबीआई के उप पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लिखित शिकायत पर से जांच के उपरांत छापे की कार्यवाही की जा रही है दफ्तर के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं भिलाई-3 के पीपी यार्ड रेलवे साइड में बुधवार सुबह सीबीआई की 5 सदस्यीय टीम पहुंची थी। टीम ने यहां पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बाहर से अंदर और अंदरे से बाहर जाने के लिए मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने एक ड्यूटी पर सभी जिम्मेदार अधिकारियों से पूछताछ की। इसके बाद साइड में मिले तमाम अधिकारियों कर्मचारियों तक से पूछताछ की। लगभग 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ करने के बाद उन्होंने दफ्तर को सील किया।

सनातन धर्म को लेकर भाजपा ने सोनिया गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 14 सितंबर । भाजपा ने सनातन धर्म को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान को लेकर कांग्रेस और गांधी परिवार पर अपना हमला तेज कर दिया है। भाजपा ने सोनिया गांधी के इटालियन मूल का मुद्दा उठाते हुए कटाक्ष किया है कि उन्हें सनातन धर्म समझ ही नहीं आता है इसलिए जब सनातन धर्म की रक्षा की बात आती है तो वह ट्रांसलेशन के फेर में उलझ जाती है। भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट से सोनिया गांधी की एक तस्वीर शेयर करते हुए सनातन धर्म के बचाव के मामले में उन्हें सरदर्द होने और सनातन धर्म क्या है।

घमडिया गठबंधन सनातन को समाप्त करने आया है : मोदी

सागर, 14 सितंबर। एमपी के सागर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीना रिफाइनरी परिसर में पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन किया। पीएम इसके साथ पीएम ने मध्य प्रदेश की 10 नई औद्योगिक परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया। जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बुद्धिबल की ये धरती वीरों की धरती है जे इस भूमि को बीना और बेतवा दोनो का आशीर्वाद मिला है और मुझे महीने में दूसरी बार सागर आकर आपके दर्शन का सौभाग्य मिला है। सनातन पर छिड़े विवाद को लेकर विपक्षी गठबंधन पर जुबानी हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि घमडिया गठबंधन सनातन को समाप्त करने आया है। सनातन हमारे धर्मगुरुओं का आधार है, सनातन हमारे बलिदान महापुरुषों का आधार है। विश्व समाज को तोड़ने में जुटा हुआ है।

समय तक देश में राज किया, उन्होंने भ्रष्टाचार के सिवाय कुछ नहीं दिया। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश में उद्योग कैसे लगते? जब आपने हमें मौका दिया, तब हमने मध्य प्रदेश को भय से मुक्ति दिलाई यहाँ कानून व्यवस्था को स्थापित किया। लाल किले से मैंने गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और सबका प्रयास के संबंध में विस्तार से चर्चा की थी। मुझे ये देखकर गर्व होता है कि भारत ने गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर स्वतंत्र होने के स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। कोई भी देश जब ऐसा ठान लेता है तो उसका जायकल्प शुरु हो जाता है। आपने जी20 समिट के दौरान देखा है, गांव गांव के बच्चे के मुंह पर जी20 शब्द आत्मविश्वास से गूँज रहा है। पीएम ने कहा कि पिछली बार मैं संत रविदास जी के भव्य स्मारक के भूमिपूजन में आया था, आज मध्य प्रदेश के विकास को नई गति देने वाली अनेक परियोजनाओं का भूमिपूजन करने का अवसर मिला है। अब बिना आधुनिक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचा देगा, आपको ये गारंटी देने में आया हूँ।



यात्री बसों में भिड़ंत, 10 घायल

गरियाबंद, 14 सितंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

आज सुबह 9 बजे नेशनल हाईवे 130 सी में पोड़ के पास दो यात्री बसों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। भिड़ंत में 8 से 10 लोग घायल हो गए हैं। सभी को एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल गरियाबंद और उप स्वास्थ्य केंद्र पांडुका पहुंचाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक गरियाबंद से राजिम जा रही परमेश्वरी ट्रेलव्स और राजिम से गरियाबंद आ रहे शिवराज ट्रेलव्स की बस के बीच भिड़ंत हुई है। दोनो ही बसों में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। घटना जिले के पाण्डुका थाना क्षेत्र की है। इधर, घटना के पास मौके पर चौख पुकार मच गई। बताया जाता है की बस में बड़ी संख्या में महिलाएं और स्कूली बच्चे भी थे। स्कूल जा रहे बच्चों ने घटना को पहले देखा। बच्चों ने ही साहस दिखाते हुए घायलों की मदद की।

एंबुलेंस और थाने में सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है।



स्कूली बच्चों से भरी नाव पलटी, कई बच्चे लापता

मुजफ्फरपुर, 14 सितंबर। बिहार के मुजफ्फरपुर में गुरुवार को बड़ा नाव हादसा हुआ है। यहाँ बच्चों से भरी नाव नदी में पलट गई है। शुरुआती सूचना में बताया गया है कि हादसे में 16 बच्चे लापता हैं। हालांकि मौके पर स्थानीय गोताखोर और गांव के युवक पहुंचकर नदी में बच्चों की तलाश कर रहे हैं। नाव पलटन की सूचना मिलते ही इलाके के लोगों के साथ शासन प्रशासन में हड़कंप मच गया है। बताया गया है कि गायघाट के बेनीबाद ओपी क्षेत्र के मधुपट्टी घाट पर नाव पलटने का हादसा हुआ है। नाव पर करीब 33 बच्चे सवार थे। संतुलन बिगड़ने के चलते नाव नदी में पलट गई। हादसे के बाद स्थानीय गोताखोर बच्चों को निकालने में लगे हैं। उन्होंने कई बच्चों को बाहर निकाला है लेकिन अभी भी कई बच्चे लापता बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर कोहराम मच गया है। लोगों की भारी भीड़ जुट गई है। नदी में तेज बहाव है इस वजह से बच्चों को निकालने में गोताखोरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। बता दें कि घटनास्थल पर पुलिस के कई बड़े अधिकारी मौजूद हैं।

आगामी 25 अक्टूबर से 9 नवम्बर 2023 तक गोवा में होगा 37वां राष्ट्रीय खेल

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं के लिए सुअवसर

जसवंत क्लाडियस, तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राष्ट्रीय खेलों का अपना महत्व होता है। विभिन्न राज्यों के ग्रामीण, शहरी अंचल के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इसमें चिरपरिचित और उभरते हुए किशोर, युवा, खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होता है। हार या जीत अपनी जगह है लेकिन ऐसी प्रतियोगिता की वजह से खेल भावना का प्रवाह होता है। लगभग 21वीं शताब्दी के शुरुआत में तीन नये राज्य छत्तीसगढ़, उत्तरांचल, झारखंड का उदय हुआ और अब तेलंगाना राज्य भी अस्तित्व में आ गया है। इस प्रकार खेलकूद में प्रतिभागी बढ़े हैं उनके बीच अतिराम संघर्ष की शुरुआत हुई है। हमारे देश में विभिन्न प्रकार के खेल होते हैं जिनमें कुछ पारंपरिक, लोक खेल सदियों पुराने होते हुए आज भी लोकप्रिय है जबकि कुछ आधुनिक खेल होते हैं जिनमें सबसे नवीनतम खेल भारतीय नागरिक राजू दबांडे द्वारा अविष्कृत रोलबाल है। ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में 28 प्रमुख खेल सम्मिलित हैं। 37वें राष्ट्रीय खेलों में इस बार 43 खेलों के मुकाबले होंगे जो कि राष्ट्रीय खेलों के 1924 से हो

रहे आयोजन का एक कीर्तिमान है। 36 वे राष्ट्रीय खेलों का आयोजन गुजरात में अचानक किए जाने से गोवा के लिए पूर्व में ही घोषित राष्ट्रीय खेलों को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारतीय संघ के इस निर्णय पर आश्चर्य व्यक्त किया गया था लेकिन गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वह सपना है जो उन्होंने लंबे समय से सहेजकर रखा था। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि भारत में विश्व की सबसे प्रतिष्ठित खेल स्पर्धा आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन हो। ऐसी स्पर्धा को कराने के लिए आयोजन संबंधी व्यवस्था खेलों के मुकाबले, अधोसंरचना, परिवहन, भोजन, आवास आदि के गतिविधियों की लिखित और वीडियो क्लिप की आवश्यकता होती है। केंद्र सरकार के खेल विभाग और भारतीय ओलंपिक संघ नई दिल्ली ने इस दिशा में ठोस कार्य किया है और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी की आगामी बैठक में 2036 में भारत में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए दावेदारी प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। गुजरात के बाद भारतीय ओलंपिक संघ की घोषणा अनुसार एक वर्ष के अंदर ही दूसरी बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन

गोवा में होने जा रहा है अतः भारतीय खेल जगत पर प्रसन्नता की लहर छा गई है। गोवा में 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेश और भारतीय सेना की टीमों के भाग लेने की संभावना है। इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष थामस बाक ने पिछले दिनों एक साक्षात्कार में संकेत दिया कि भारत 2036 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की मेजबानी का प्रमुख दावेदार होगा जबकि भारत के खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने भी स्वीकार किया कि भारत में भविष्य में ओलंपिक खेल सम्पन्न हो सकते हैं। गोवा के पणजी, मापसा, मडगांव, फोंडा तथा वास्को के 26 खेल स्थलों में मुकाबले होंगे। हालांकि गोल्फ, सायकलिंग और निशानेबाजी के मुकाबले नई दिल्ली में होंगे क्योंकि गोवा में सायकलिंग के ट्रैक रेंस के लिए वेलेड्रम, शूटिंग रेंज और गोल्फ मैदान नहीं है। गोवा में रोल बाल, लांगोरी, गटका, पेचक सिलाट, रांकी को भी मलखंब, योगा के साथ शामिल किया गया है। राष्ट्रीय खेलों में मुकाबला करने के लिए छत्तीसगढ़ से मजबूत टीम का चयन करना बहुत जरूरी है। इसके लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण तत्काल आरंभ करना होगा।

'जलवायु अनुकूल स्कूल' शुरु

कांकेर, 14 सितंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

जिले के 25 विद्यालयों में 'जलवायु अनुकूल स्कूल' पहल की शुरुआत की गयी। इस पहल का क्रियान्वयन पर्यावरण शिक्षण केंद्र (सी.ई.ई.) द्वारा फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम मुख्यतः स्कूलों में छात्रों को गतिविधि आधारित पर्यावरण शिक्षा के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूक बनाकर और उनमें गतिविधियों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन खतरों से निपटने के कौशल विकसित करना है। सी.ई.ई. द्वारा इस कार्यक्रम को शिक्षकों के माध्यम से अपने अपने विद्यालय में सफल क्रियान्वयन के लिए जनपद के 25 विद्यालयों के 2-2 शिक्षकों को शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला का

आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, (डायट), कांकेर, छत्तीसगढ़ में किया गया। कार्यक्रम में 25 विद्यालयों से कुल 47 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के क्रियान्वयन के तहत ये शिक्षक अपने विद्यालयों में छात्रों की एक टीम (इको क्लब) का गठन करेंगे और अपने विद्यालय में सर्वेक्षण कर पर्यावरणीय समस्याओं का पता लगाकर उनके निराकरण पर कार्य करेंगे और बदलाव से जुड़ी अपनी रिपोर्ट को साझा करेंगे। कार्यक्रम में स्कूलों से जुड़े चार प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है जिसमें कचरे का उचित निपटान एवं प्रबंधन, जल से जुड़ी समस्याओं को समझना और उनका निराकरण, ऊर्जा की बचत और जैव विविधता का संरक्षण विषय शामिल हैं। इनमें से अपने विद्यालय से सम्बंधित किन्ही दो विषयों पर विद्यालय समूह कार्य करेंगे।



